सामान्य अध्ययन

drishti

निर्धारित समय: 2 घंटा 10 मिनट
Time allowed: 2 Hour 10 Minutes

अधिकतम अंक: ~~200~~ 250
Maximum Marks: 200

Name: Divya

Mobile Number: [redacted]

Medium (English/Hindi): Hindi

Email:

Center & Date:

UPSC Roll No. (2021): 0854715

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

All the questions are compulsory.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	4.5	11.	
2.	4.5	12.	
3.	5	13.	
4.	4.5	14.	
5.	5	15.	
6.	5.5	निबंध	65
7.	7		
8.	6.5		
9.	5.5		
10.	7.5		
Grand Total (सकल योग)			120.5 / 250

E1308

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Dear Student

① संदर्भ दक्षता एवं परिचय दक्षता ठीक है।

② आपको विषयवस्तु की समझ है किन्तु किसी-किसी उत्तर में आवश्यक बिन्दुओं का अभाव है। निबंध के स्तर पर प्रयास अच्छा है।

③ भाषा एवं लेखन शैली अच्छी है।

④ निष्कर्ष दक्षता भी संतोषजनक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. प्राचीन भारत के इतिहास में गुप्त काल को 'स्वर्ण युग' कहा जाता है। निश्चित ही यह उसके कला के विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास को देखते हुए संज्ञा दी जाती है।

साहित्य के क्षेत्र में गुप्त काल में विकास अभूतपूर्व हुआ जो न सिर्फ मात्रा की दृष्टि से वरन् गुणात्मक स्तर पर भी बेहतर था।

प्रमाण → 1). चंद्रगुप्त-द्वितीय के दरबार के नवरत्नों में साहित्यकार भी विद्यमान थे। जिनमें कालिदास प्रमुख हैं।

विशाखदत्त, भारवी, दंडी, शूद्रक आदि कवियों की रचनाओं एवं उनके महत्व की चर्चा कीजिये।

2) कालिदास → मेघदूत (यक्ष की कहानी)
→ रघुवंश (राम से संबंधित)
→ अभिज्ञान शाकुंतलम् (शकुंतला की कहानी)

3) भवभूति → विभिन्न नाटक

☞ गुप्त काल में संस्कृत का भी विकास हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

विभिन्न ब्राह्मणों द्वारा रचित संस्कृत साहित्य

• समुद्रगुप्त के काल में → "कवि हरिषेण द्वारा रचित 'प्रयाग प्रशस्ति'" विशिष्ट ही साहित्य के क्षेत्र में उच्च मानक को प्रदर्शित करती है।

चित्रगुप्त के स्थान पर प्रयास अच्छा है किन्तु और बेहतर किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट अनुसार भारत विश्व की हर तीन बाल-वधुओं में से एक का घर है अर्थात् विश्व के एक-तिहाई बाल-विवाह केवल भारत में घटित होते हैं।

लेकिन बाल-विवाह को समाप्त करने हेतु निश्चित ही भारत सरकार व विभिन्न राज्यों ने कदम उठाए हैं तथा सतत विकास के लक्ष्य-3, व लक्ष्य-5 तथा अन्य लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है।

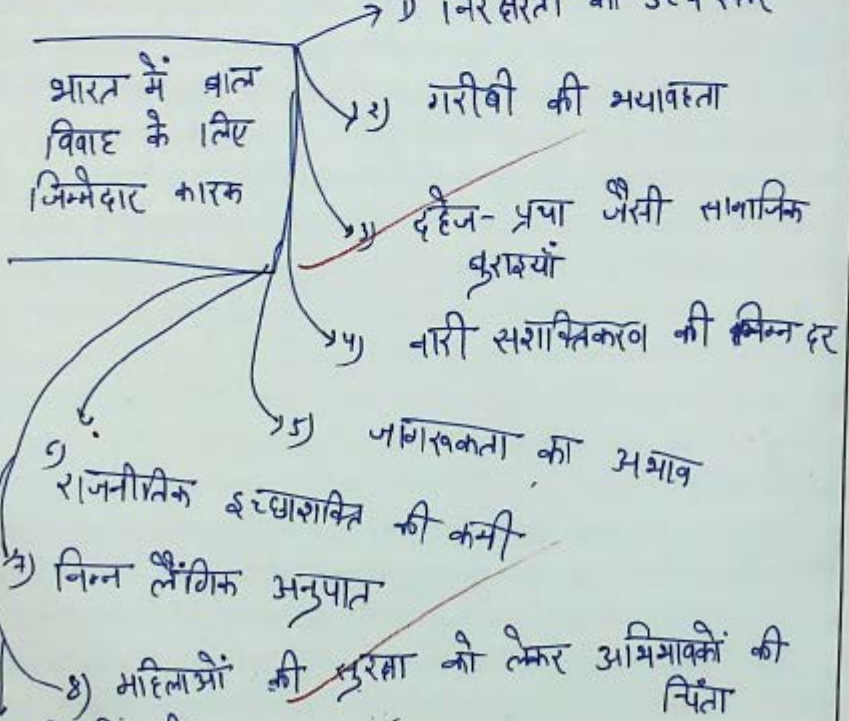

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समाधान हेतु सुझाव

- शिक्षा का स्तर बढ़ाया जाए मुख्यत: महिलाओं में
- जागरूकता का फैलाव (आशा वर्कर्स द्वारा)
- NGOs व विभिन्न हेल्थ वर्कर्स को शामिल कर स्वास्थ्य की नकारात्मकता के परिणाम बताए जाएं
- गरीबी को दूर करने के उपाय
- सामाजिक जागरूकता – (विज्ञापनों के माध्यम से) दहेज प्रथा जैसी बुराइयों के खिलाफ
- कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए
- महिलाओं को रोजगार-क्षेत्र में लाया जाए।
- महिलाओं की सुरक्षा की सुनिश्चितता हो

अतः यद्यपि सरकार के प्रयासों से जागरूकता आ रही है लेकिन हमें अपने प्रयास को अनवरत रूप से जारी रखना है तभी हम इस बुराई की जड़ खोद सकेंगे

प्रस्तुतीकरण पर थोड़ा ध्यान दें

4.5/10

अवधारणात्मक समझ ठीक है
जानकारी अच्छी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस उद्धरण के माध्यम से विद्वान यह कहना चाहते हैं कि किसी भी व्यक्ति में उत्साह की प्रवृत्ति तो देखने को मिल जाती है, लेकिन सहनशक्ति की प्रवृत्ति समाज में विरले ही मिलती है।

हम एक उदाहरण के माध्यम से समझ सकते हैं। जिस प्रकार महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन में इसी भाव का इस्तेमाल किया है। असहयोग आंदोलन की शुरुआत में जनता की भागीदारी अभूतपूर्व थी, लेकिन चौरी-चौरा घटना के बाद गांधी जी के आंदोलन वापस लेने को समर्थन नहीं मिला। क्योंकि शायद सहनशक्ति दुर्लभ होती है। एक लंबे समय तक अंग्रेजों से मुकाबला करते हुए उनके शोषण को सहने की शक्ति दुर्लभ ही कही जाएगी।

किसी भी कार्य को शुरू करने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का उत्साह लगभग प्रत्येक व्यक्ति में मिल जाएगा लेकिन उस कार्य की तमाम बाधाओं को पार करते हुए, इन मुसीबतों व समस्याओं को सहन करते हुए एक अंतिम लक्ष्य तक पहुँचना हर जगह दर्शनीय नहीं है।

इसी प्रकार अंबेडकर जी द्वारा अपने अपमान को, शोषण व वंचितता को सहते हुए भारत के संविधान निर्माता के रूप में उभरना उनकी दुर्लभ सहनशक्ति को ही प्रदर्शित करता है।

good
विषयवस्तु की समझ एवं जानकारी अच्छी है।

5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. जनसंख्या में लगातार वृद्धि भारत के लिए एक विचारणीय विषय रहा है। ऐसा नहीं है कि सरकारों द्वारा उपाय नहीं किए गए परंतु यह मुद्दा एक सामाजिक - आर्थिक मुद्दा है व इससे निपटने के लिए समग्र व बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

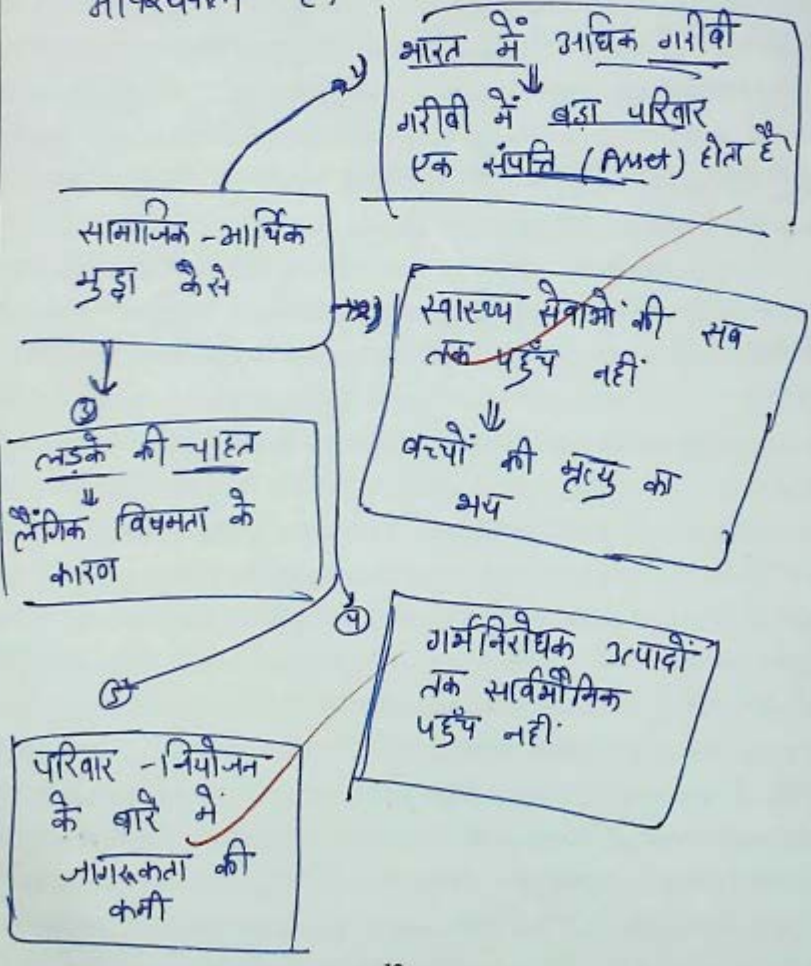

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस चुनौती से केवल प्रोत्साहन व दंड के मिश्रण से नहीं निपटा जा सकता है

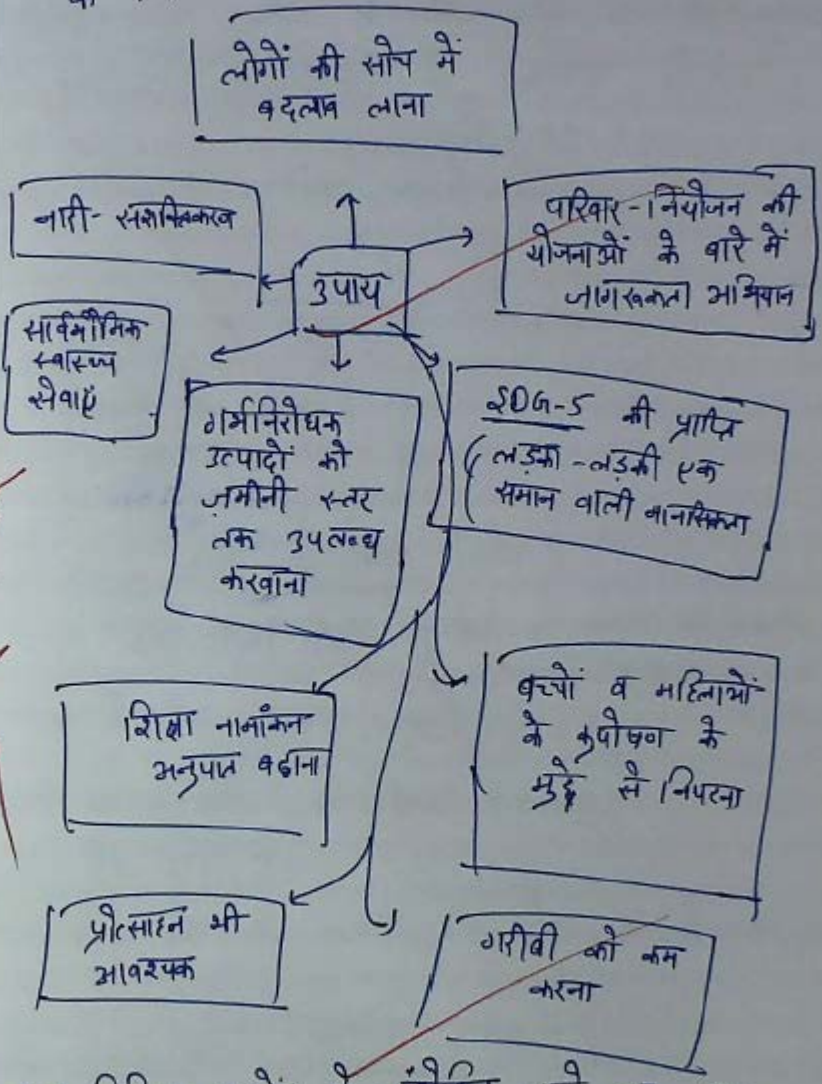

इन विभिन्न मुद्दों को संबोधित करते हुए हम जनसंख्या वृद्धि की चुनौती से निपट सकते हैं

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. आर्थिक दृष्टि से तरलता का अर्थ है- लोगों के पास उपलब्ध निधि, बाजार में प्रचलित निधि तथा लोगों के बैंक खातों में ~~कपत~~ जमा। समग्रत: अर्थव्यवस्था में (वर्तमान में) उपलब्ध वित्तीय मात्रा को तरलता कहते हैं।

तरलता को नियंत्रित करने के उपलब्ध साधन

① RBI द्वारा मात्रात्मक उपाय :

(i) कैश रिजर्व रेशो (दर को घटाना या बढ़ाना आवश्यकतानुसार)
(ii) वैधानिक तरलता अनुपात (SLR)
(iii) ऑपन मार्केट ऑपरेशन्स (OMO)
(iv) बैंक दर (BR)
(v) रैपो रेट व रिवर्स रैपो रेट (RR & RRR)

② RBI द्वारा गुणात्मक उपाय :

1) क्रेडिट राशनिंग (विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग ब्याज दर निर्धारित करना
उदा॰ - शिक्षा पर, स्वास्थ्य पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2) RBI द्वारा नैतिक दबाव

3) डाउन पैमेंट्स

4) PSL (~~सार्वजनिक~~ प्रायोरिटी सेक्टर लैंडिंग)

② सरकार द्वारा बजटीय उपाय:

(i) मनरेगा व अन्य नीतियाँ

(ii) सामाजिक सहायता कार्यक्रम

(iii) सब्सिडी (खाद्य, उर्वरक, तेल, - -

(iv) विभिन्न योजनाएँ व नीतियाँ

③ समग्रत: RBI व सरकार द्वारा बाजार में तरलता को नियंत्रित किया जाता है व इनके समन्वय व सुचारु रूप से ही हम $5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर उन्मुख हो सकते हैं।

good

अवधारणात्मक समझ एवं जानकारी अच्छी है

5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

6. गिग इकॉनमी अर्थव्यवस्था के उस रूप को कहते हैं जिसमें रोजगार व व्यवस्था अनुबंध आधारित होते हैं। तथा कर्मचारी व नियोक्त प्रत्यक्षतः न जुड़कर किसी सेवा के माध्यम से जुड़ते हैं। उदाहरण के रूप में हम ओला, उबर, ओयो जैसे व्यवसायों को ले सकते हैं।

गिग इकोनामी के सामने चुनौतियां

- अर्थव्यवस्था में अनौपचारिक क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ेगी
- आवश्यक कौशल व प्रशिक्षण की कमी
- कर्मचारियों के उत्पीड़न की आशंका
- सरकार के रुझान व स्पष्ट दिशानिर्देशों की कमी
- तकनीक व प्रौद्योगिकी का भारत में निम्न स्तर
- पारदर्शिता व जवाबदेही का अभाव

गिग इकॉनमी के संदर्भ में भारत की वैश्विक स्थिति को यदि कुछ डाटा/आंकड़ों द्वारा दर्शाया जाता तो और बेहतर होता।

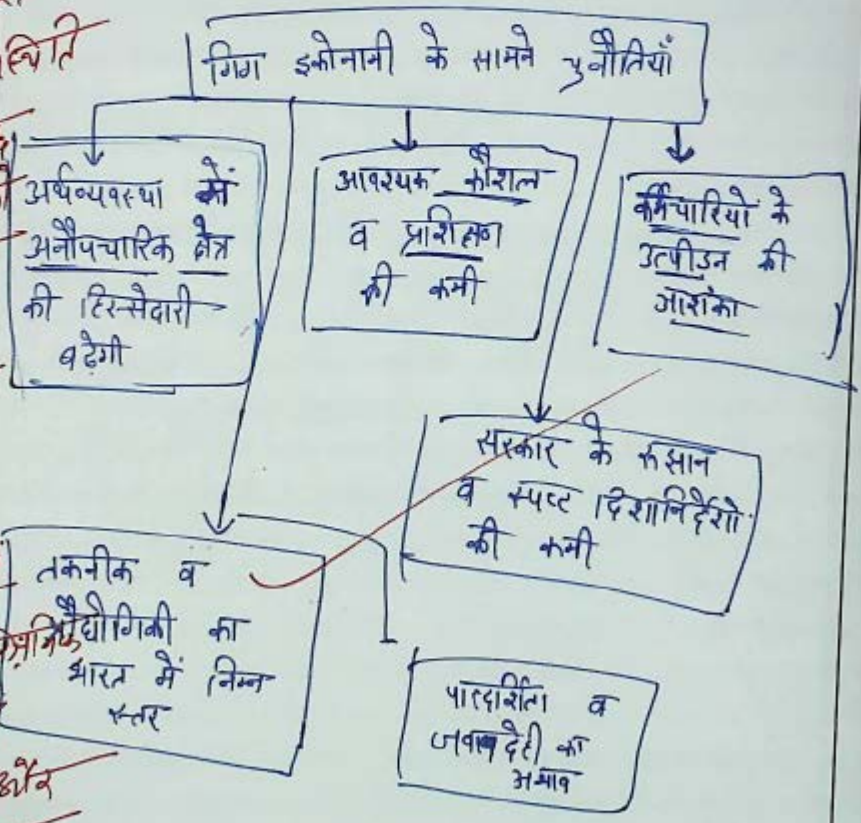

चुनौतियों में → अपर्याप्त पारिश्रमिक, वित्तीय असुरक्षा, स्वास्थ्य लाभ और सेवानिवृत्ति लाभ आदि का अभाव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निपटने हेतु उपाय

सरकार को इस क्षेत्र की ओर प्रेरित होकर ध्यान देना

2) स्पष्ट दिशानिर्देश देना

3) गिग वर्कर्स के प्रशिक्षण व कौशल को बढ़ाना

4) ऐसे अनुबंध जिससे ग्राहकों को कोई समझौता न करना पड़े सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर।

5) तकनीक व प्रौद्योगिकी का विकास

6) R&D में निवेश

7) पारदर्शिता बढ़ाना

इन उपायों को लागू कर व मुद्दों को संबोधित करते हुए हम गिग इकॉनमी में भारत के विकास को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं।

5.5/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7.

कोरोनावायरस ने दुनिया भर को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने के साथ ही स्वदेशी समुदायों को पर विशेष रूप से नकारात्मक प्रभाव डाला है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

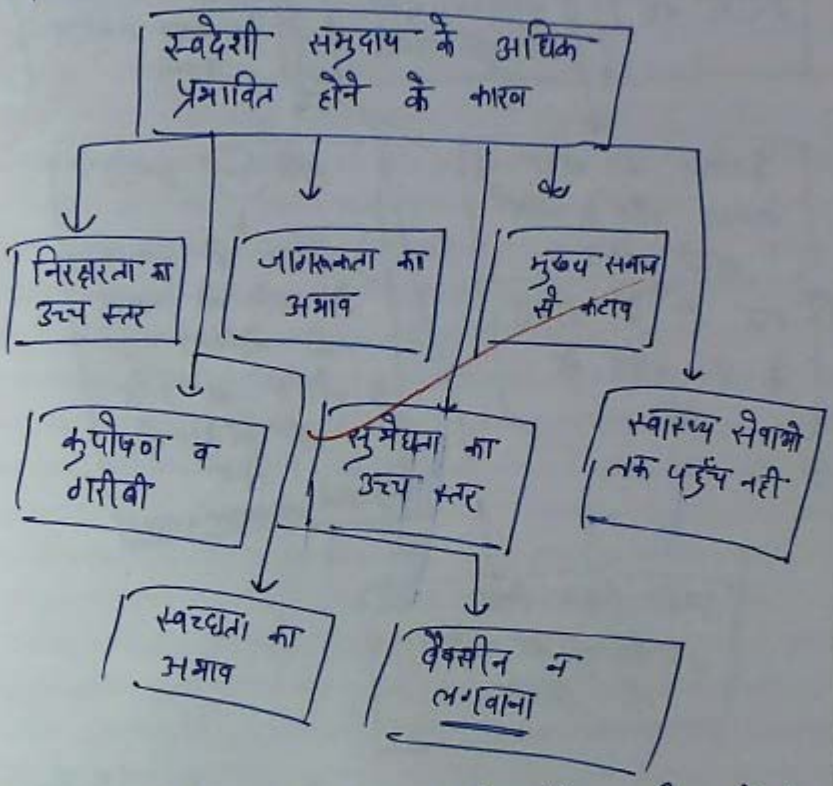

भारत विविधतापूर्ण देश होने के नाते स्वदेशी समुदायों की भी एक बड़ी संख्या को समाहित करता है। यहाँ गोंड, संथाल, मुण्डा, टोड़ा, बंजारा, कोल, पहाड़िया, भुआर, खोंड आदि जनजातियाँ पाई जाती हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत के स्वदेशी समुदायों पर महामारी का प्रभाव

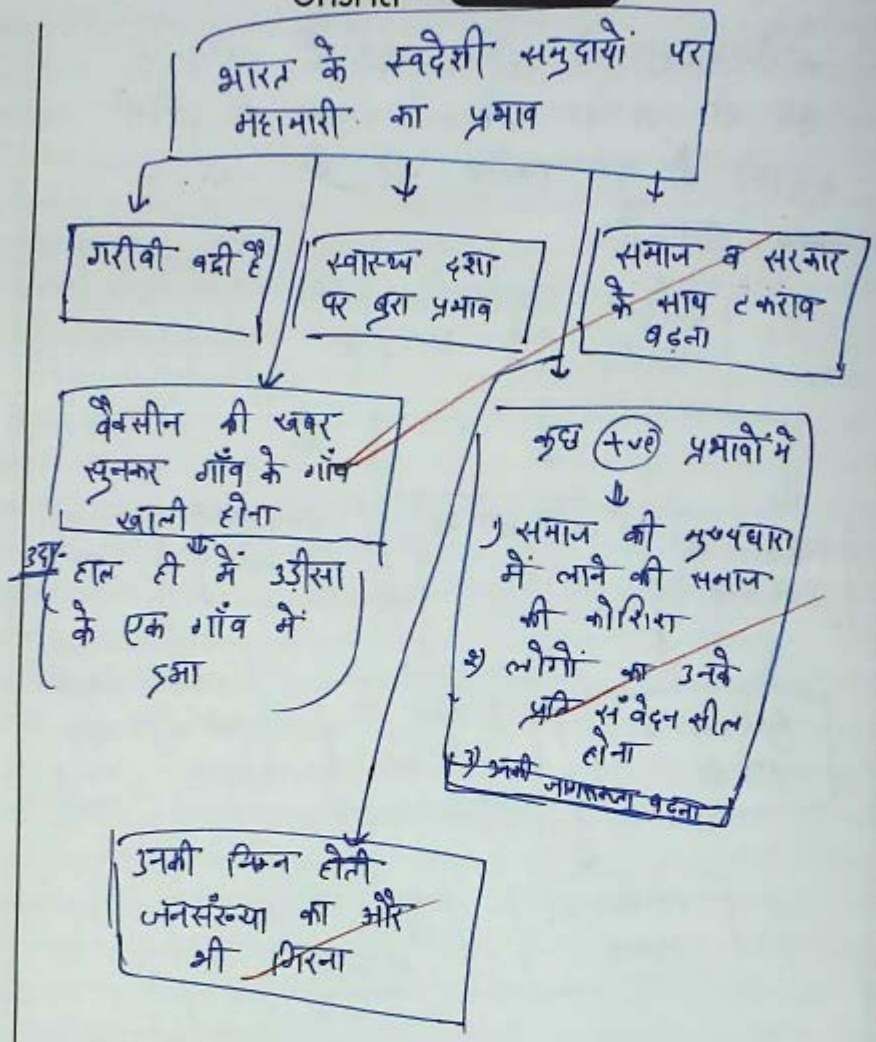

- गरीबी बढ़ी है
- स्वास्थ्य दशा पर बुरा प्रभाव
- समाज व सरकार के साथ टकराव बढ़ना
- वैक्सीन की खबर सुनकर गाँव के गाँव खाली होना
  - उदा- हाल ही में उड़ीसा के एक गाँव में हुआ
- उनकी क्षीण होती जनसंख्या का और भी गिरना
- कुछ (+ve) प्रभावों में
  1) समाज की मुख्यधारा में लाने की समाज की कोशिश
  2) लोगों का उनके प्रति संवेदनशील होना
  3) जागरूकता बढ़ना

इस प्रकार, महामारी ने हमें अपने स्वदेशी समुदायों के जीवन व समस्याओं की ओर उन्मुख किया है। हमें बेहतर नीतियों व कार्यक्रमों के माध्यम से इस महामारी के प्रभावों के प्रति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उन्हें एक कवच प्रदान करना है व वंचित वर्गों की पदवी से हटाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करना है।

अवधारणात्मक समझ एवं जानकारी अच्छी है।

7/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8.

COVID-19 महामारी ने विभिन्न मुद्दों के साथ ही सहकारी संघवाद के विषय में भी कुछ मुद्दे उत्पन्न किए हैं। वर्तमान में 'स्वास्थ्य' राज्य सूची का विषय है। जिस पर राज्य के अपवादों सहित कुछ विशेषाधिकार हैं। लेकिन COVID-महामारी ने प्रदर्शित किया है कि ऐसी भयंकर समस्याओं से निपटने के लिए राज्य व केंद्र के समन्वय की कितनी आवश्यकता है।

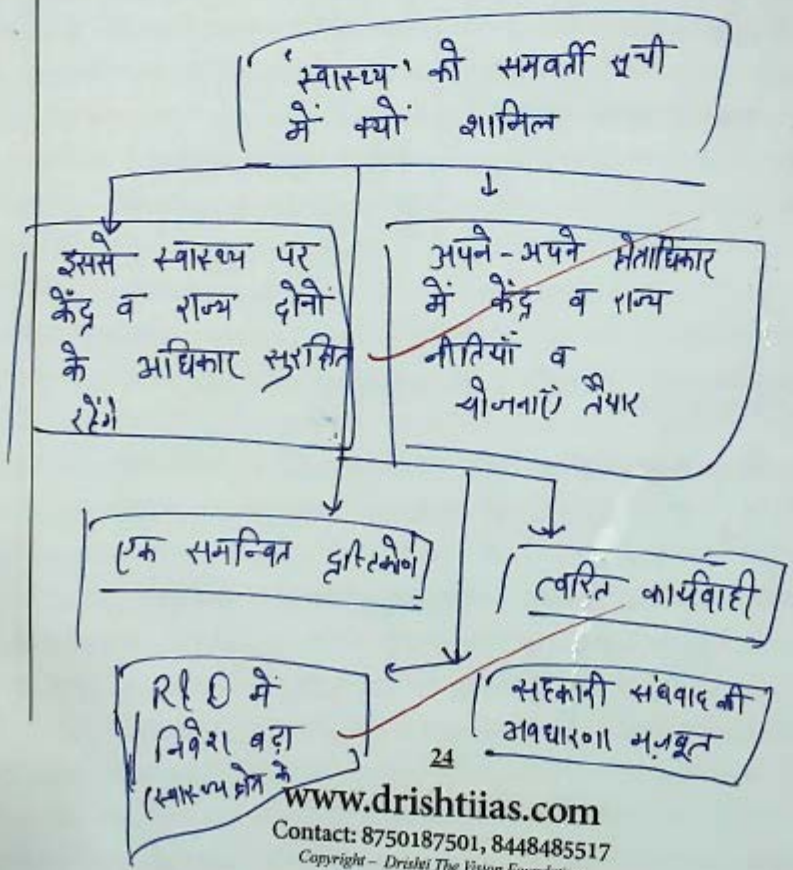

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संबंधित मुद्दे
1) राज्य सरकारों को सहमत करना
2) संविधान संशोधन
3) उचित प्रक्रियाएँ अपनाना

लाभ
1) केंद्र की नीतियों में राज्यों की प्रत्यक्ष भागीदारी बढ़ेगी
2) एक मज़बूत एक्शन
3) अनुभव व डाटा साझा
4) जनता को सर्वोत्तम नीतियाँ प्राप्त

समग्रत: 'स्वास्थ्य' को समवर्ती सूची में सम्मिलित कर लेना चाहिए। परंतु राज्यों को विश्वास में लेकर तथा संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए तथा संवैधानिक आदर्शों की प्राप्ति के लिए।

स्वास्थ्य को समवर्ती सूची में डालने से उत्पन्न होने वाली कुछ चुनौतियों की भी चर्चा करें।

प्रयास अच्छा है किंतु और बेहतर किया जा सकता है।

6.5/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9.

भारत हिंद-महासागर में अवस्थित है जो लगभग तीन-तरफ से पानी से घिरा हुआ है तथा विभिन्न द्वीप राष्ट्रों यथा- मालदीव, मॉरिशस, सेशेल्स, रियूनियन से घिरा हुआ है।

हिंद महासागर में चीन की बढ़ती उपस्थिति तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के बढ़ते महत्व के कारण भारत को अपनी समुद्री सुरक्षा की ओर ध्यान देना अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत के समक्ष उत्पन्न प्रमुख चुनौतियों की चर्चा कीजिये।

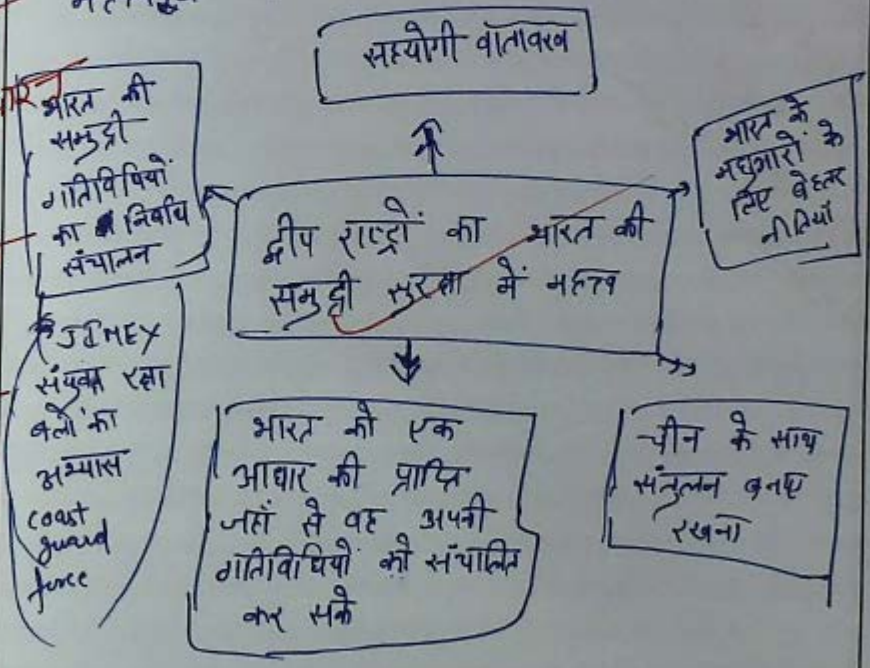

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

यद्यपि भारत के विभिन्न क्षेत्र-राष्ट्रों से बेहतर संबंध हैं, तथापि उसे वार्ताएँ करने, मध्यस्थता करने तथा अपनी गतिविधियों को और सक्रिय करने की आवश्यकता है।

55/15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10.

जलवायु - परिवर्तन और निरंतर सूखे की वजह से भारत को जल संकट की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इसका प्रमुख कारण यह भी है कि भारत एक कृषि - प्रमुख देश है व बहुत बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर करती है।

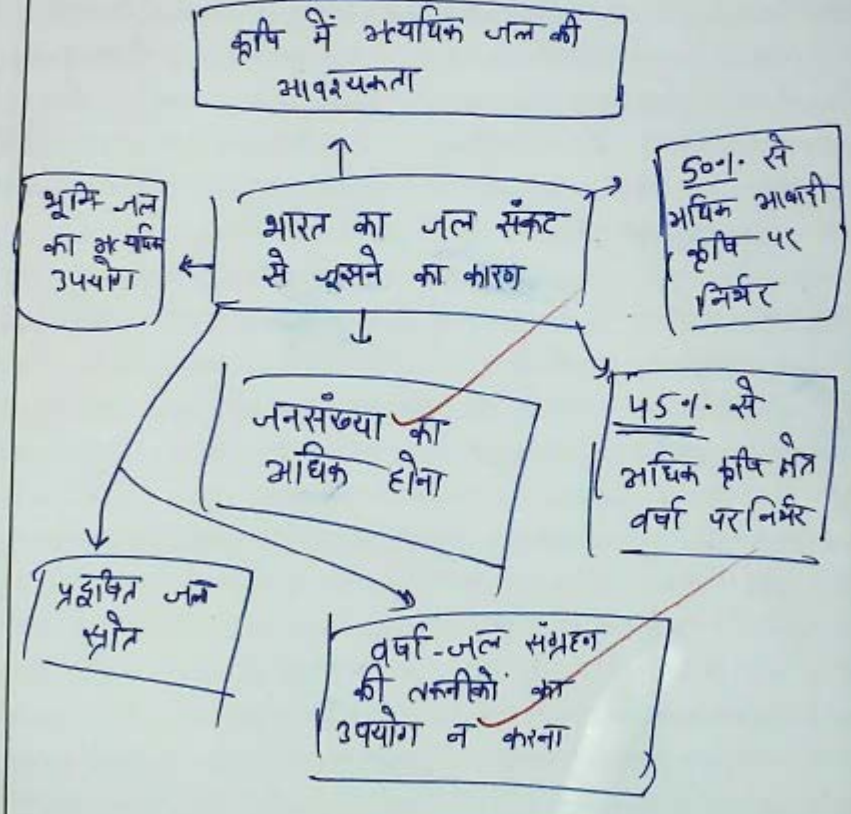

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस संकट से सबसे ज़्यादा निश्चित रूप से महिलाएँ ही पीड़ित हैं।

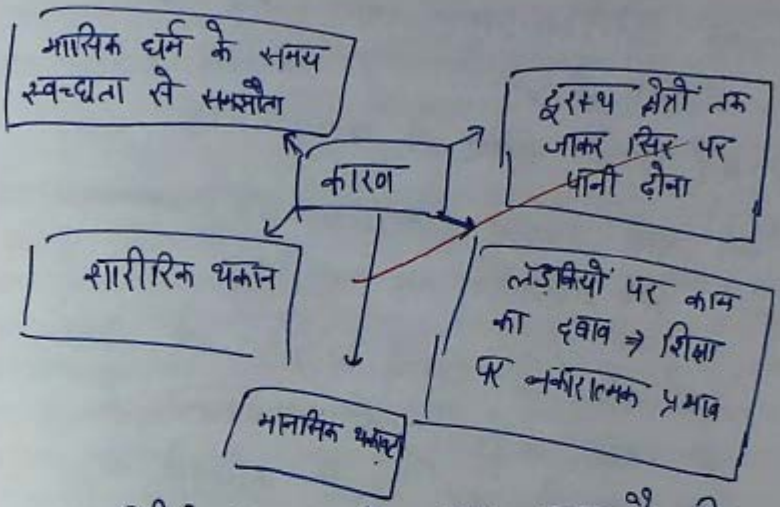

• एक रिपोर्ट (UN) से पता चलता है कि जिन क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता कम है, वहाँ की महिलाओं के सकल नामांकन अनुपात में भी कमी देखी गई है व वे शारीरिक रूप से भी कमज़ोर पाई गई हैं।

निश्चित ही इस संकट से निपटने के लिए भारत को एक अग्र-सक्रिय (Pro-active) दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

सुझाव → १) वर्षा-जल संग्रहण की तकनीकों को अनिवार्य बनाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

good

2) उद्योगों द्वारा जल स्रोतों को प्रदूषित करने पर रोक (सख्त कार्यवाही)

3) जल-प्रतिरोधक क्षमता वाले बीजों का कृषि में उपयोग

4) R&D में निवेश को बढ़ावा

5) कम-पानी उपयोग (Geoponics, Aeroponics) जैसी कृषि गतिविधियों पर ध्यान देना।

अपवादात्मक समग्र एवं जानकारी उत्तर है।

7.5/15

इस संकट से निपटने के लिए हमें संगठित व त्वरित कार्यवाही की आवश्यकता है ताकि कम से कम हमारी महिलाओं का उत्पीड़न ~~[illegible]~~ का एक कारण जल-संकट तो समाप्त हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11.

क्या भारतीय सिनेमा हमारी लोकप्रिय संस्कृति को आकार देता है या केवल इसे दर्शाता है?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय सिनेमा भारतीय समाज पर अपने प्रभाव के लिए विख्यात है। समाज के हर वर्ग को हर युग में यह प्रभावित करता है। हाल ही में 'मैडम चीफ मिनिस्टर' फिल्म हो या 'Article 15' जिनमें भारतीय समाज को दर्शाने का प्रयोग किया है; या फिर फिल्म 'पिंक' हो जिसने नारी स्वतंत्रता के एक नए आयाम को उभकर उसके शारीरिक सशक्तिकरण को स्थापित किया है। 'मैडम सी.एम.' में जिस प्रकार एक दलित महिला के उभरकर एक बड़े राज्य की मुख्यमंत्री के रूप में सामने आना दिखाया गया है वह निश्चित ही दलित समाज के लिए प्रेरणादायक है तथा हमारे समाज में दलितों के शोषण, उनकी समस्याओं व उनकी मेहनत को दर्शाता है तो 'पिंक' में हमारी भारतीय संस्कृति में महिलाओं की

निबंध की शुरुआत यदि किसी प्रसिद्ध विद्वान के कथन, उदाहरण, या अपने किसी व्यक्तिगत अनुभव को बताते हुये शुरू किया जाये तो ज्यादा बेहतर होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

शारीरिक स्वतंत्रता को अपनाने का संकेत देकर संस्कृति को आकार देने की कोशिश की गई है।

अब हम इस प्रश्न का विश्लेषण करते हैं कि क्या भारतीय सिनेमा हमारी लोकप्रिय संस्कृति को आकार देता है या केवल इसे दर्शाता है? वास्तव में गहराई से समझने पर ज्ञात होता है कि इसका उत्तर यह है कि सिनेमा का प्रभाव इतना सम्मोहनकारी है कि यह संस्कृति को न सिर्फ दर्शाता है बल्कि उसे आकार भी देता है।

कोई भी समाज वहाँ के लोगों, उनके विचारों, उनकी आदतों व उनके मूल्यों के सम्मिश्रण से बनता है। ऐसे में सिनेमा उसी जगह को तो प्रतिबिंबित करेगा जहाँ से उसका निर्माण हुआ है।

किसी भी समाज के विभिन्न वर्ग होते हैं। जिनमें महिलाएँ, वृद्ध, बच्चे, अभिजात्य वर्ग, ट्रांसजेंडर, सेक्सवर्कर्स व अन्य वंचित वर्ग शामिल हैं। ऐसे में प्रत्येक की स्थिति से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हम प्रत्यक्षतः तो सबक नहीं हो सकते लेकिन ऐसा ज़रूर है कि जो बातें हमें सिनेमा में दिखाई जाती हैं वे हमारे मन में एक छवि निर्मित कर देती हैं। व उन्हीं के अनुसार हमारी अभिवृत्ति का निर्माण होने लगता है।

ऐसा नहीं है कि सिनेमा सामान्य समय में ही हमारी अभिवृत्ति व संस्कृति बनाता है। आपात स्थितियों में भी - जैसे युद्ध के दौरान लोगों को प्रेरित करने के लिए भी सिनेमा का सहारा लिया जाता है क्योंकि जन-समूह से परिचित होने का यह एक बेहतर माध्यम है।

यह बात आश्चर्यजनक लगती है कि कभी-कभी सिनेमा भविष्य को प्रदर्शित करने में भी सहायक होता है। covid-19 की महामारी से पहले एक ऐसी फिल्म बनाई गई है, जिसमें एक महामारी की आशंका है और लोग ऐसे ही मास्क लगाते हुए दिखाए गए हैं। इसे हम सिनेमा की एक ताकत भी मान सकते हैं।

1970 के दशक से पहले महिलाओं की स्थिति भारत में बहुत अधिक सशक्त नहीं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12.

थी, ऐसे में सिनेमा में भी महिलाओं को केवल आदर्श पत्नी व आदर्श माँ, त्याग की मूर्ति के रूप में प्रदर्शित किया जाता था, लेकिन जैसे- जैसे महिलाएँ सशक्त हुई हैं, वैसे -वैसे भारतीय सिनेमा में भी महिलाओं की भूमिका को बदला गया है व ऐसा भी है कि सिनेमा को देखकर भी महिलाएँ जागरूक हुई हैं।

इसी प्रकार '#Me too' अभियान का भारतीय सिनेमा में प्रचलन हो या 'अनुच्छेद 375' के तहत महिलाओं को चेतावनी दी हो, सिनेमा ने एक बेहतर दर्पण का कार्य किया है।

आर्थिक स्तर पर भी वैश्वीकरण के प्रभावों को दर्शाने व विभिन्न वंचित समाजों को मुख्यधारा में लाने हेतु सिनेमा ने यथासंभव प्रयास किया है।

राजनीतिक स्तर पर भी संसद की कार्यवाहियों को प्रदर्शित करना हो या जनता में राजनीतिक-पेचीदगियों से अवगत कराना हो, मीडिया व सिनेमा ने बखूबी अच्छे प्रयास किए हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में कुछ नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय सिनेमा का प्रभाव ऐसा है कि हम अपने दैनंदिन जीवन में भी उसके प्रभावों से मुक्त नहीं रह पाते हैं। चाहे हमारे बालों की कटिंग हो या पहनावा; या खान-पान हो या फिर हमारे मूल्य, यह सभी को आकार देता है। लेकिन जो पटकथाएँ सिनेमा जगत में लिखी जा रही हैं, वह भी तो हमारी संस्कृति से परिचित कोई व्यक्ति ही लिख रहा है, व उसकी जिंदगी के अनुभवों से उसने अपना साहित्य तैयार किया है, अतः इसे हम संस्कृति को दर्शाना कह सकते हैं।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र व समाज के प्रत्येक संस्थान को इसने प्रभावित किया है यहाँ तक कि न्यायपालिका के विभिन्न कानूनों से समाज को परिचित कराने व 'जॉली एल-एल.बी' जैसी फिल्मों के माध्यम से प्राकृतिक न्याय की अवधारणा को मज़बूत करने का संदेश देकर यह हमारी संस्कृति को आकार देने का प्रयास कर रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अनुसूचित जनजातियों की समस्याओं व उनके प्रति हमारे व्यवहार व अलगाव को दिखाकर हमारी संवेदनशीलता को उजागर करने का प्रयास किया जाता है।

यद्यपि ऐसा नहीं है कि भारतीय सिनेमा के सारे प्रभाव सकारात्मक ही हों, जबकि हमारे समाज में भी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ विद्यमान हैं तो यह उन्हें दर्शाने का कार्य तो करेगा ही। जैसे :- कभी-कभार हमारी धर्मनिरपेक्षता को दाँव पर रखकर यह ध्रुवीकरण का माध्यम भी बन जाता है।

वस्तुतः कभी-कभी यह अपनी प्रभावशक्ति के बल पर इस प्रकार हमारी संस्कृति पर चोट भी करता है।

अगर हम भारत से बाहर बसके प्रभाव को देखें तो हमें चकित हो जाना पड़ता है क्योंकि जिस प्रकार रूस व मध्य-एशिया के देशों में इसने भारतीय संस्कृति की छवि निर्मित की है वह अप्रतिम है व इस तरह वहाँ भारत-समर्थक माहौल भी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13.

निष्कर्षतः भारतीय सिनेमा भारतीय जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसने जीवन के सभी पक्षों, संस्कृति के सभी आयामों को दर्शाने व इसे आकार देने में सर्वाधिक प्रमुख भूमिका निभाई है व इसी प्रभाव को देखते हुए किसी ने कहा भी है :-

"सिनेमा की शक्ति पूरे विश्व को बदलने का सामर्थ्य रखती है।"

निबंध के स्तर पर आपकी समझ एवं जानकारी अच्छी है।

65/125

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation